# शालिनी की मदहोश चूत

“सुशील कुमार अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार। ख़ासकर आँटियों और भाभियों को मेरा सलाम। मेरा नाम सुशील है, मेरा अन्तर्वासना में यह पहला अनुभव है और जीवन का भी, इसलिए मैं अन्तर्वासना के सभी पाठकों तथा लेखकों से अपने को जूनियर मानता हूँ। मेरी उम्र 19 साल है। मैं झारखंड राज्य से जमशेदपुर […] ...”

**Story By:** (sushilkumar)
**Posted:** Wednesday, July 23rd, 2014
**Categories:** पड़ोसी
**Online version:** शालिनी की मदहोश चूत


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# शालिनी की मदहोश चूत

सुशील कुमार

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार। ख़ासकर आँटियों और भाभियों को मेरा सलाम।

मेरा नाम सुशील है, मेरा अन्तर्वासना में यह पहला अनुभव है और जीवन का भी, इसलिए मैं अन्तर्वासना के सभी पाठकों तथा लेखकों से अपने को जूनियर मानता हूँ।

मेरी उम्र 19 साल है। मैं झारखंड राज्य से जमशेदपुर के गमहरिया से हूँ। मैं 5 फुट 5 इंच का एक साधारण लड़का हूँ।

अब मैं अपनी कहानी पर आता हूँ।

मेरे घर से कुछ दूरी पर एक परिवार रहता था, उस परिवार का एक हिस्सा थी शालिनी।

अगर शालिनी की बात की जाए तो क्या लड़की थी। एक बार देख लो उसे, तो मन में ही चोद डालो..!

क्या जबरदस्त माल है वह..!

उसकी बड़ी और गोल-गोल चूचियाँ मानो उसके कपड़ों से बाहर निकलने को तरस रही हों।

मुहल्ले में जितने भी लड़के थे, उसे देखने से सभी की हालत खराब हो जाती और हों भी क्यूँ ना… वो थी ही ऐसी..!

लेकिन मैं उनमें से सबसे खुशनसीब निकला आख़िर मुझे उसे चोदने का मौका जो मिला।

एक दिन की बात है, उसके पापा से पैसे लेने मैं उसके घर गया था, ज़रूरत पड़ने पर हम उन्हें पैसे देते थे, तो वही लेने गया था।

मैं यह सोच कर बहुत खुश था कि मुझे कम से कम शालिनी से बात करने का तो मौका मिलेगा।

मैं उसके घर के अन्दर गया और आवाज़ लगाई, पर कोई भी जबाब नहीं आया, शायद घर में कोई भी नहीं था।

जब घर में कोई भी नहीं दिखा, तो मैं वापस आने लगा।
वापस आते वक़्त मैंने कहीं से पानी गिरने की आवाज़ सुनी। यह आवाज़ लगातार आ रही थी।
मैंने इधर-उधर देखा, तो पता चला कि यह आवाज़ बाथरूम से आ रही थी।
मैंने बाथरूम के एक छेद से झाँक कर देखा, तो मेरे तो जैसे होश ही उड़ गए, मैंने देखा शालिनी एकदम नंगी नहा रही थी।
क्या लड़की थी..! शरीर पर एक भी बाल नहीं, चूत तो जैसे पूरी दुनिया को समा लेने को बैचेन।
वो नहाते वक़्त अपनी चूत के आस-पास खूब उंगली कर रही थी और एकदम से मदहोश हो रही थी।
मैं समझ गया कि उसे भी चुदाई का बुखार चढ़ चुका है। ऐसा हसीन मौका कहाँ मिलेगा मूठ मारने को, सो मैंने बाथरूम से उसे देख-देख कर ही मूठ मार ली।
फिर मैंने आवाज़ लगाई- शालिनी… शालिनी… तुम्हारे पापा हैं क्या ?
वो बोली- कौन सुशील.. मम्मी-पापा बाहर गए हैं, तुम बैठो.. मैं नहा कर आ रही हूँ।
मैं खुश हो गया और बैठ गया।
वो नहा कर एक तौलिए से लिपट कर मेरे करीब से मुस्कुराते हुए गुज़री।
उसने कहा- आती हूँ..!
और अपने कमरे की तरफ चली गई। मैं उसे देखता ही रह गया। अब तो मेरा मन उसे चोदने को होने लगा।
वो अपने कमरे में कपड़े पहनने के लिए गई। मैं छुप कर उसके पीछे गया और छुप कर उसने देखने लगा।
वो नंगी होकर अपने शरीर को पोंछ रही थी, मैं उसकी हर एक हरकत को देख कर मज़े ले रहा था।
वो क्या लग रही थी, मन कर था कि अभी जाकर साली की चूत में अपने लंड को घुसेड़ दूँ।

वो कभी अपने चूचियों को देखती और साफ करती, कभी अपनी चूत में थोड़ी सी उंगली डाल लेती। ये सब देख कर तो मेरा लंड फनफनाने लगा।
मैं एक बार फिर से अपने लंड को पैंट के ऊपर से ही सहलाने लगा।
अब मैं उसके कमरे में घुस गया। उसने अब भी मुझे देखा नहीं था, अब वो ब्रा और पैन्टी पहन चुकी थी।
मैं उसके पीछे ही था, मुझसे सहा नहीं जा रहा था। तभी अचानक मैंने पीछे से उसे अपने गिरफ़्त में ले लिया।
वो मेरी इस हरकत से चौंक गई और अपने को छुड़ाने लगी, उसने कहा- ये क्या कर रहे हो सुशील ?
मैंने कहा- वही जिसमें मोक्ष की प्राप्ति होती है।
वो कुछ कर पाती, इससे पहले मैंने फिर से उसे अपने आगोश में ले लिया और उसकी चूचियों को उसके ब्रा के ऊपर से ही दबाने लगा और उसकी चूत में उंगली फिराते हुए उसके होंठों को चूसने लगा।
वो बोलने लगी- छोड़ दो मुझे.. ये ग़लत है..!
मैंने कहा- देखो किसी को पता नहीं चलेगा, बहुत मज़ा आएगा..!
लेकिन वो मेरा विरोध करती रही।
मैंने कहा- दोनों को ही बहुत मज़ा आएगा, ख़ासकर तुम्हें तो स्वर्ग की प्राप्ति हो जाएगी।
उसने कहा- नहीं लेना है मुझे मज़ा..!
मैंने कहा- अगर तुम्हें मज़ा नहीं लेना है, तो बाथरूम में अपनी चूत में उंगली क्यूँ कर रही थी ?
उसने कहा- तुमने मुझे नहाते हुए भी देखा..!
मैंने कहा- मैंने सब कुछ देखा है, मैं जानता हूँ कि तुम चोदवाने को बेकरार हो।
मुझे पता था कि ये ज़्यादा देर तक मेरा विरोध नहीं करेगी, बस उसे शुरू में भरपूर मज़े देना है। वो अब भी मेरा विरोध कर ही रही थी कि मैं अपना हाथ उसकी चूत पर ले जाकर

उसकी चूत को सहलाने लगा, तो उसे तो मानो करंट लग गया।
वो अब मदहोश हो रही थी, उसके मुँह से सिसकारियाँ निकल रही थीं और लगातार ‘आह…आआआहा’ की आवाज़ें निकाल रही थी।
मुझे उसकी ऐसी आवाज़ें सुनकर बड़ा जोश भरा जा रहा था।
अब मैंने उसकी ब्रा और पैन्टी दोनों निकाल दीं, अब मैं उसके नंगी चूचियों को दबा रहा था।
मुझे तो जैसे स्वर्ग मिल गया था, वो मस्त हुए जा रही थी, लेकिन मैंने फ़ैसला कर लिया था कि जब वो वासना के सातवें आसमान पर होगी, तभी मैं उसे चोदूँगा।
मैं उसके होंठों को चूसने लगा।
अब वो भी मेरा साथ दे रही थी, लेकिन बीच-बीच में कह रही थी- कोई आ जाएगा..
तो मैंने कहा- चिंता मत करो मेरी जान.. अगर कोई आ जाएगा, तो हम कपड़े लेकर पीछे से बाथरूम में घुस जाएँगे, वहाँ से मैं निकल लूँगा और तुम अपने कमरे में चली आना।
मैं लगातार उसे चूमता, मसलता उसकी चूत में उंगली करता रहा। इससे मेरे लंड की हालत खराब होने लगी, लेकिन मैं किसी भी कीमत पर हड़बड़ी नहीं दिखाना चाहता था।
अब मैंने उसे बिस्तर पर चित्त लिटा दिया। वो अपने हाथ से अपनी चूत रगड़ रही थी और अपनी कमर को उचकाते हुए ऊपर-नीचे कर रही थी।
मैं उसकी चूचियों को चाटता चूसता, उसके पेट और नाभि को चूमता हुआ उसकी चूत पर आ रुका।
वो बिस्तर पर चित्त लेटी हुई थी। मैंने अब उसकी चूत में जीभ लगा दी और चाटने लगा।
क्या चूत थी साली की… फूली हुई… रसीली चूत…!
वो एक बार फिर तिलमिला उठी, अब उसके मुँह से लगातार ‘आह..आह..आहहसस्स्सस्स..!’ की आवाज़ें आने लगीं, उसे बेहद मज़ा आ रहा था, उसकी चूत गीली हो चुकी थी, मैं लगातार उसकी चूत को चाट रहा था।
अब मुझे लगा कि वो झड़ने वाली है क्यूँकि अब वो मुझे कस कर पकड़ने लगी और अपने

कमर को ज़ोर से मेरे मुँह के सामने ऊपर-नीचे करने लगी।
इतने में वो झड़ने लगी और मैंने उस रस की एक एक बूँद चाट ली।
मैंने कहा- और मज़े लेना है..!
उसने कहा- हाँ..!
तो मैंने कहा- थोड़ा दर्द होगा..!
तो वो कहने लगी- ऐसे मज़े के लिए तो मैं कितना भी दर्द सह सकती हूँ..!
मैंने उसे अब तक बहुत मज़े दिए, लेकिन इतना सब कुछ सहता मेरा लंड फटा जा रहा था। अब मैंने अपने सारे कपड़े उतार दिए। मेरा 6.5 का लंड फनफनाता हुआ बाहर निकला जिसे देख कर शायद वो सहम गई।
मैंने कहा- डरो मत, कुछ नहीं होगा।
अब मैंने अपना लंड उसके हवाले कर दिया, वो मेरे लंड को लेकर खेलने लगी।
मैंने उसे इसे मुँह में लेने को कहा, तो वो इनकार करने लगी लेकिन मेरे बहुत मनाने पर वो तैयार हो गई।
आख़िर मैंने भी तो यह उसके लिए किया था। वो मेरे लण्ड को चूसने लगी, मुझे तो मानो सही में मोक्ष की प्राप्ति हो गई।
मुझे बहुत मज़ा आ रहा था, मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि कोई लड़की मेरे लंड को अपने मुँह में लिए हुए है।
अब मुझमें और भी ज्यादा जोश भर आया था और मैं शालिनी के सर को पकड़ कर ज़ोर-ज़ोर से उसके मुँह को पेलने लगा और तभी अचानक उसके मुँह में ही अपना माल गिरा दिया।
उसकी उत्तेजना ने भी उसे कुछ समझने का मौका ही नहीं दिया और मेरे वीर्य को वो अपने हलक में ले गई।
उसकी आँखें नशीली हो रही थीं और अब तक वो एक बार फिर तैयार थी।
अब मैंने अपना लंड उसकी गीली हो चुकी चूत पर रखा। मेरा लंड उसके चूत पर रखते ही

फिसल रहा था। उसकी चूत काफ़ी कसी हुई थी। मुझे अपने पर गर्व हो रहा था कि मुझे पहली चुदाई में ही सील तोड़ने का मौका मिलेगा।
मैंने अपने लंड को उसकी चूत में रख कर थोड़ा सा धकेल दिया पर फिर भी मेरा लंड फिसल कर बाहर आ गया।
अब मैंने शालिनी को उलझाते हुए उसकी चूचियों को मसलता, होंठों को चूमता अचानक ज़ोर से लंड को उसकी चूत में ढकेल दिया, तो वो कराह उठी।
हालाँकि अभी थोड़ा सा हिस्सा ही उसकी चूत में जा पाया था। मैंने थोड़ा रुक कर फिर एक बार ज़ोर लगाकर धकेल दिया, तो उसकी आँखों में सावन उमड़ आया और बारिश होने लगी।
वो रोने लगी, चिल्लाने भी लगी थी।
मैंने ध्यान ना देते हुए लंड-प्रहार जारी रखा। अब मेरा आधा लंड उसकी चूत में समा चुका था। एक और झटके से मेरा पूरा का पूरा लंड उसकी चूत में समा गया, लेकिन अब उसकी चूत से खून निकल रहा था।
मैं भी थोड़ा डर गया, वो अभी भी रो रही थी। अब मुझे थोड़ा तरस आया, तो मैंने झटका ना देते हुए उसे प्यार करते हुए दूसरी बातों उलझाने लगा।
उसके आँसुओं को चाट कर पी गया और उसे दिलासा देने लगा- मैंने तो पहले ही कहा था और भी मज़ा आएगा, लेकिन थोड़ा दर्द होगा, मैंने सुना है कि पहली बार सारी लड़कियों को दर्द होता है..!
अब वो अपना दर्द भूल रही थी, तो मैंने अपना लण्ड फिर से आधा बाहर निकाल लिया और एक बार फिर से उसकी चूत के आस-पास ऊँगली फिराने लगा और चूचियों को भी दबाता रहा और होंठों को भी खूब चूस रहा था।
वो भी मेरे होंठों को खूब चूस रही थी।
मेरी उंगली लगातार उसके चूत के आस-पास घूम रही थी। वो एक बार फिर मदहोश हो उठी तो मैंने धीरे-धीरे अपना लंड जो चूत में आधा घुसा हुआ था निकाल लिया और चूत

को आधी लंड की गहराई तक ही पेलने लगा।
वो पूरी तरह से मदहोश हुई जा रही थी और मुझसे कह रही थी- और कितना तरसाओगे… डाल दो अपना पूरा लंड… मेरी चूत में… फाड़ दो… मेरी चूत को… !
मैंने कहा- मज़ा आ रहा है ?
उसने कहा- कैसे बताऊँ.. कितना मज़ा आ रहा है… लेकिन अब और मुझे ना तरसा, मैं मर जाऊँगी… डाल दे.. मेरी चूत में अपना लंड..! कह कर पूरा लंड अपनी चूत में समा लेने की कोशिश करने लगी।
अब वो घड़ी आ गई थी अब मैंने एक जोरदार प्रहार से पूरा लंड उसकी चूत में डाल कर पेलने लगा।
वो कसमसा उठी और 'आआहह..आह..स्सकी' आवाज़ें निकालने लगी। मैं इन आवाज़ों से और मस्त होकर उसे ज़ोर-ज़ोर से पेलने लगा। वो कमर हिला-हिला कर मेरा साथ देने लगी।
मैं पूरे मज़े से उसे चोदे जा रहा था, वो अपने हाथों से अपनी चूचियाँ मसल रही थी, कभी-कभी अपनी चूत को भी रगड़ रही थी।
मुझे पूरा मज़ा आ रहा था, तभी अचानक वो मुझे कस कर पकड़ने लगी।
उसके मुँह से आ…आह निकलना जारी था।
मुझे पता चल गया था कि अब वो झड़ने वाली है।
वो चिल्लाने लगी- और करो और करो… ज़ोर से… !
मैं और ज़ोर-ज़ोर से चोदने लगा। इतने में एकाएक वो झड़ने लगी। मैं अभी भी जोश में था और चोदे जा रहा था।
आह… क्या मज़ा आ रहा था..!
और फिर एक ज़ोर के झटके के साथ मैं भी उसके चूत में झड़ने लगा और उसके ऊपर पड़ा रहा। हम लोग करीब 5 मिनट तक ऐसे ही पड़े रहे।
उस तरह मैंने उसे और दो बार चोदा। मुझे उससे प्यार भी था, लेकिन मैं कह नहीं पा रहा

था। अब मैंने प्यार का इज़हार भी कर दिया था, उसके द्वारा मना करने का तो कोई सवाल ही नहीं उठता था।

आपको मेरी कहानी कैसी लगी। मुझे ज़रूर लिखिए। मुझे ज़रूर मेल करें।

sushilantrvsna@gmail.com

# Other stories you may be interested in

## अमीर औरत की जिस्म की आग

दोस्तो ! मेरा नाम विशाल चौधरी है और मैं उ. प्र. राज्य के सम्भल जिले का रहने वाला हूँ। यह बात तब की है जब मैं अपनी पढ़ाई पूरी करके अपने घर पर रह रहा था और घर वालों का मेरे […]
Full Story >>>

## ताऊ जी का मोटा लंड और बुआ की चुदास

जो कहानी मैं आप लोगों को सुनाने जा रहा हूं वह केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सच्चाई है. मैं आज आपको अपनी बुआ की कहानी बताऊंगा जो मेरे ताऊ जी के साथ हुई एक सच्ची घटना है. आगे […]
Full Story >>>

## बहन बनी सेक्स गुलाम-5

दोस्तो, मेरी इस सेक्स कहानी को आप लोगों का बहुत प्यार मिला. मैं फिर से आपका सबका धन्यवाद करना चाहता हूँ और नए अंक के प्रकाशन में देरी के लिए क्षमा चाहता हूँ. कहानी थोड़ी लंबी हो रही है क्योंकि […]
Full Story >>>

## ऑफिस की दोस्त की कुंवारी चूत का पहला भोग

दोस्तो, मैं जो कहानी आप लोगों को सुनाने जा रहा हूँ वह आपको जरूर पसंद आएगी. यह कहानी मेरी अपनी कहानी है. कहानी को शुरू करने से पहले मैं आपको अपने बारे में कुछ बताना चाहूंगा. मेरा नाम आदित्य है […]
Full Story >>>

## नयी पड़ोसन और उसकी कमसिन बेटियां-4

अभी तक आपने पढ़ा कि लखनऊ के होटल के कमरे में पहली बार चुदने वाली डॉली उसके बाद मेरे घर पर और फिर अपने घर पर चुदाई का आनन्द ले चुकी थी. अब आगे : इतवार का दिन था, सुबह के […]
Full Story >>>